



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 307]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 21, 2013/ज्येष्ठ 31, 1935

No. 307]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 21, 2013/JYAISTHA 31, 1935

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 जून, 2013

सं. 65/2013-सीमाशुल्क (गै.टे.)

सा.का.नि. 395(अ).—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 146 की उपधारा (2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा सीमा शुल्क आवासीय एजेंट लाइसेंसिंग विनियम, 2004 के अधिक्रमण में, इस प्रकार के अधिक्रमण से पहले पूरी की गई या पूरी करने के लिए हटाई गई चीजों को छोड़कर केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क बोर्ड एतद्द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, नामत :-

1. लघु शीर्षक तथा प्रारंभ.—(1) इन विनियमों को कोस्टम्स ब्रोकर्स लाइसेंसिंग रेग्युलेशन्स, 2013 कहा जा सकता है ।

(2) सरकारी राजपत्र में प्रकाशित हो जाने की तारीख से यह प्रभावी हो जाएंगे ।

2. परिभाषाएं.—इन विनियमों में यदि संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” का अर्थ है सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52)

(ख) “कंपनी” का वही अर्थ है कि जैसा कि कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) में परिभाषित किया गया है ;

- (ग) "कस्टम्स ब्रोकर" का अर्थ लाइसेंस प्राप्त ऐसे व्यक्ति से है जो इन अधिनियमों के तहत किसी भी कस्टम स्टेशन पर वस्तुओं के आयात या निर्यात या वाहनों के प्रस्थान या प्रवेश से संबंधित किसी व्यवसायिक सौदे के लिए एक एजेंट के रूप में कार्य करता है;
- (घ) "फर्म", "फर्म का नाम" "साझेदार" तथा "साझेदारी" का क्रमशः वही अर्थ होगा जैसा कि भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9) में इनके लिए नियत किया गया है, परंतु "सहभागी" शब्द में कोई भी व्यक्ति, चाहे वह नाबालिग ही हो, साझेदारी के लाभों को प्राप्त करता रहता है;
- (ङ.) "फार्म" का अर्थ है इन विनियमों के साथ जुड़े हुए फार्म;
- (च) अनुसूची का अर्थ है इन अधिनियमों में संलग्न अनुसूची
- (छ) "धारा" का अर्थ है अधिनियम की एक धारा; तथा
- (ज) इसमें प्रयोग किये गए शब्द तथा अभिव्यक्तियां परंतु जिन्हें यहां परिभाषित नहीं किया गया है उनका क्रमशः वही अर्थ होगा जो कि उपरोक्त अधिनियम में उनके लिए नियत किया गया है।
- 3 कस्टम ब्रोकरों को लाइसेंस धारक होना चाहिए- किसी भी कस्टम स्टेशन पर कोई भी व्यक्ति, वस्तुओं के आयात अथवा निर्यात या वाहनों के प्रवेश या प्रस्थान से संबंधित कस्टम ब्रोकर के रूप में अपना व्यवसाय नहीं चला सकता जब तक कि इन विनियमों के अंतर्गत लाइसेंस प्राप्त नहीं कर लेता।
- बशर्ते कि इन विनियमों के अंतर्गत कोई लाइसेंस निम्न व्यक्तियों द्वारा अपेक्षित न हो -
- (क) कोई भी आयातक या निर्यातक जो कि किसी भी कस्टम स्टेशन से एकल रूप से अपने किसी भी व्यवसाय का संपादन करता हो;
- (ख) किसी भी व्यक्ति का कोई भी कर्मचारी या इस प्रकार के व्यक्ति या फर्म की ओर से सामान्यतः व्यवसाय का संचालन करने वाली फर्म तथा कस्टम के सहायक आयुक्त या कस्टम उपायुक्त द्वारा जारी एक अस्थायी पास या पहचान पत्र धारक; तथा
- (ग) एक या एक से अधिक पोत (वैसल) या विमान के लिए इस प्रकार के विमान या पोत के एकमात्र प्रवेश या निकासी के लिए, इस प्रकार के एजेंट के अपने कार्य के प्रयोग के लिए एक एजेंट को नियोजित किया जाएगा।
- 4 आवेदनपत्र का आमंत्रण:
- (1) केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क, निरीक्षण महानिदेशालय (जिसे बाद में डीजीआईसीसीई के नाम से संदर्भित किया गया) प्रत्येक वर्ष अप्रैल के माह में परीक्षा का संचालन करने के लिए आवेदन तथा बाद में हिन्दी तथा अंग्रेजी के दो मुख्य दैनिक राष्ट्रीय समाचार पत्रों के प्रकाशन के माध्यम से फार्म क में कस्टम

ब्रोकर के रूप में कार्य करने के लिए लाइसेंस प्रदान करेंगे।

- (2) फॉर्म क में एक सीमा शुल्क स्टेशन में एक कस्टम ब्रोकर के रूप में कार्य करने के लाइसेंसों के लिए आवेदन कस्टम के अधिकारिक आयुक्त के द्वारा निर्मित किया जाएगा।

5 आवेदनकर्ता के द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें:- कस्टम ब्रोकर के रूप में कार्य करने के लिए लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवेदक को कस्टम स्टेशन में सीमा शुल्क आयुक्त को संतुष्ट करना होगा कि :-

- (क) आवेदक भारत का नागरिक हो;
- (ख) वह स्थिर बुद्धि वाला व्यक्ति हो
- (ग) उसे पागल घोषित न किया गया हो
- (घ) आवेदक किसी भी फौजदारी अदालत में अभिशंसित न हो और न ही किसी भी न्यायालय में उसके विरुद्ध कोई भी आपराधिक कार्यवाही विचाराधीन हो; तथा
- (ङ.) आवेदक को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 तथा वित्त अधिनियम, 1994 के तहत किसी भी अपराध में दंडित न किया गया हो।
- (च) एक व्यक्ति या आवेदक कंपनी या इसका साझेदार या निदेशक या प्राधिकारी जो सीमा शुल्क कार्य को प्रबंध कर सकता हो, होना चाहिए।
- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक तथा
- (ii) अकाउंटिंग, वित्त या प्रबंधन में मास्टर्स या इसके समानांतर एक व्यवसायिक डिग्री कस्टम में सीए/एमबीए/एलएलबी/कस्टम क्लियरेंस का डिप्लोमा, सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या किसी संस्थान में कार्य करने या उसे जी-कार्ड धारक के रूप में कस्टम ब्रोकर के संचालन का कम से कम 2 वर्ष का अनुभव होना चाहिए;
- (छ) यदि आवेदक भारतीय सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवा से सेवानिवृत्ति 'अ' समूह का अधिकारी है तो उसके पास 'अ' समूह की सेवा का कम से कम 5 वर्ष का अनुभव होना चाहिए;
- (ज) आवेदक के द्वारा, अपनी वित्तीय व्यवहार्यता के सबूत के लिए अनुसूचित बैंक के द्वारा जारी किया गया एक प्रमाण पत्र या परिसम्पत्ति के कब्जे के संदर्भ में सीमा शुल्क आयुक्त के द्वारा स्वीकार किए गए इस प्रकार के अन्य सबूतों का मूल्य 5 लाख से कम नहीं होना चाहिए।

बशर्ते कि सीमा शुल्क अपने संतोष के लिए जो भी कार्यवाही उसे उचित लगे कार्यवाही करवा सकता है।

6. आवेदक की परीक्षा-

- (1) कोई भी आवेदक जो विनियमन 5 की शर्तों से संतुष्ट हो, उसके लिए डीजीआईसीसीई द्वारा कराई गई मौखिक तथा लिखित परीक्षा में उपस्थित होना

आवश्यक होगा।

बशर्ते कि वह आवेदक जो कि पहले ही सीएचएएलआर, 1984 के विनियमन 9 तथा सीएचएएल आर, 2004 के विनियमन में उल्लिखित परीक्षा को उत्तीर्ण कर चुका है उसके लिए आगे किसी भी प्रकार की परीक्षा देना आवश्यक नहीं होगा।

- (2) प्रत्येक वर्ष जनवरी ने निर्धारित तिथि को लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा जिसके लिए परीक्षा की तिथि से पहले ही आवेदकों को व्यैक्तिक रूप से सूचना भेज दी जाएगी तथा परीक्षा के उपरोक्त परीक्षा के परिणाम को घोषणा प्रत्येक वर्ष मई के अंत तक कर दी जाएगी।
 - (3) जिन आवेदकों को लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा, उन्हें प्रत्येक वर्ष जून में निर्धारित तिथियों को मौखिक परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा और इसका परिणाम प्रत्येक वर्ष जुलाई में घोषित किया जाएगा।
 - (4) आवेदक को लिखित तथा मौखिक दोनों ही परीक्षाएं उत्तीर्ण करने की आवश्यक होगा।
 - (5) जो आवेदक संबंधित लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा की तारीख से 2 वर्ष के भीतर मौखिक परीक्षा उत्तीर्ण करने में असफल हो जाता है, उसे परीक्षा में अनुत्तीर्ण समझा जाएगा।
 - (6) एक आवेदक को वास्तविक आवेदन की तारीख से अधिक से अधिक सात वर्ष की अवधि प्रदान की जाएगी। इस समय- सीमा के अंतर्गत उसे लिखित तथा मौखिक दोनों परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी और किसी भी प्रकार का अतिरिक्त समय प्रदान नहीं किया जाएगा।
7. परीक्षा में निम्नलिखित प्रश्न सम्मिलित हो सकते हैं;
- (क) विभिन्न प्रकार के प्रवेश के बिलों की तैयारी, निर्यात के बिल, शिपिंग बिल तथा अन्य प्रकार के अनापति प्रपत्र;
 - (ख) आगमन प्रविष्टि तथा पोतों को निकासी;
 - (ग) प्रशुल्क वर्गीकरण तथा शुल्क की दर;
 - (घ) आयातित तथा निर्यातित वस्तुओं के मूल्य का निर्धारण;
 - (ङ) करेंसी का परिवर्तन
 - (च) विभिन्न प्रकार के प्रवेश के बिल, शिपिंग बिल तथा अन्य निकासी प्रपत्रों के साथ दाखिल किये गए प्रपत्रों का विवरण तथा प्रकृति;
 - (छ) अदा किए गए शुल्क की वापसी के साथ-साथ शुल्क की अदायगी तथा निर्धारण की प्रक्रिया
 - (ज) कस्टम स्टेशनों पर वस्तुओं की परीक्षा
 - (झ) आयातों तथा निर्यातों का निषेध

- (ज) बंधपत्र से बंधपत्र प्रक्रिया तथा निकासी
- (ट) निशुल्क पुनः प्रवेश के लिए शर्तें तथा पुनः आयात;
- (ठ) एसईजेड योजना के साथ वापसी तथा निर्यात प्रोत्साहन योजनाएं;
- (ड) अधिनियम के अंतर्गत अपराध;
- (ण) भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4), विनाशक कीट तथा पीड़क अधिनियम (1914) (1914 का 2), खतरनाक औषध अधिनियम, 1930 (1930 का 2) औषध तथा कॉस्मेटिक्स अधिनियम, 1940 (1940 का 23), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1), कॉपीराइट अधिनियम, 1957 (1957 का 14), ट्रेड तथा मरचेन्डाइज मार्क्स एक्ट, 1958 (1958 का 43), हथियार अधिनियम 1959 (1959 का 54), पेटेन्ट अधिनियम, 1970 (1970 का 39) मादक औषध तथा मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 (1985 का 61), विदेश व्यापार (विकास तथा विनियम) अधिनियम, 1992 (1992 का 22), विदेश विनिमय प्रबंधन अधिनियम, 1992 (1999 का 42), डिजाइन अधिनियम, 2000 (2000 का 16) तथा खाद्य सुरक्षा तथा मानक अधिनियम, 2006 (सं. 2006 का 34) सहित सहायक अधिनियमों के प्रावधान, जहां तक कि ये सीमा शुल्क के द्वारा वस्तुओं की निकासी के लिए सुसंगत हैं;
- (त) भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1988 (1988 का 49) के प्रावधान
- (थ) अधिनियम के तहत अपील तथा आवेदनों के पुनरीक्षण के लिए प्रक्रिया; तथा
- (द) इंडियन कस्टम्स एंड सेन्ट्रल एक्साइज इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स/ इलेक्ट्रॉनिक डाटा इंटरचेंज गेटवे (आईसीईजीएटीई) तथा इंडियन कस्टम्स इलेक्ट्रॉनिक डाटा इंटरचेंज सिस्टम (आईसीईएस) के तहत प्रवेश तथा शिपिंग बिलों के इलेक्ट्रॉनिक बिलों की ऑन लाइन फाइलिंग करना।
- (7) कस्टम आयुक्त इस बात से भी संतुष्ट होगा कि स्वयं आवेदक या आवेदक एक फर्म या कम्पनी हो या इसके सहभागी या निदेशक या प्राधिकृत कर्मचारी हो जो कि कस्टम के कार्य को सभालेंगे और उन्हें कस्टम स्टेशन की स्थानीय भाषा तथा अंग्रेजी का पर्याप्त ज्ञान हो।

बशर्ते कि यदि कोई व्यक्ति व्यापक रूप से गोदी में ही कार्य करता हो तो उसके लिए अंग्रेजी का ज्ञान अनिवार्य नहीं होगा। हिन्दी के ज्ञान को वांछनीय योग्यता समझा जाएगा।

7. लाइसेंस की स्वीकृति

- (1) सीमा शुल्क आयुक्त 5000 रु. के शुल्क की अदायगी पर उस आवेदक को फॉर्म ख में लाइसेंस प्रदान करेगा जिसने उपरोक्त परिणाम को घोषणा की तारीख से 2 माह के भीतर मौखिक परीक्षा को उत्तीर्ण कर लिया है।
- (2) उप-विनियमन (1) के भीतर लाइसेंस प्रदान किये गए हैं वह सभी कस्टम स्टेशनों

2780 9/13-2

पर कार्य करने के लिए पात्र होंगे। बशर्ते कि वह उस कस्टम स्टेशनों के सीमा शुल्क आयुक्त को फार्म सी में सूचना प्रदान करेगा। जिस कस्टम स्टेशन पर वह अपने बिजनेस करना चाहता है। इस सूचना की एक प्रति सीमा शुल्क आयुक्त को भी भेजी जाएगी जो कि फार्म बी में लाइसेंस जारी करेगा।

8 प्रतिभूति को प्रस्तुत करना तथा बंधपत्र का निष्पादन:-

- (1) विनियमन 7 के तहत लाइसेंस प्रदान करने से पूर्व सीमा शुल्क आयुक्त सफल आवेदकों को बंधपत्र फार्म डी में तथा जहां इन विनियमों के नियत पालन के लिए फार्म ई में एक जमानत बंधपत्र विनिर्दिष्ट है तथा जो एक बैंक गारंटी को प्रस्तुत करता है कस्टम ब्रोकर के रूप में बिजनेस का संचालन करने के लिए 5 लाख की राशि की एक डाक प्रतिभूति या राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र कस्टम आयुक्त के नाम से दर्ज कराने को आवश्यकता होगी।
- (2) यदि एक डाक प्रतिभूति या राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र प्रौद्योगिक ब्याज के लाभों को प्रस्तुत करता है तो यह संबंधित कस्टम ब्रोकरों से प्रोदभूत होगा।

9. लाइसेंस की वैधता की अवधि

- (1) विनियमन 7 के अंतर्गत प्रदान किया गया तब लाइसेंस जारी करने की तिथि से 10 साल तक के लिए वैध होगा तथा उप विनियमन (2) में उपबंधित प्रक्रिया के अनुसार समय-समय पर उसका नवीकरण किया जाएगा।

बशर्ते कि कस्टम ब्रोकर को प्रदान किया गया लाइसेंस, बोर्ड की परिपत्र सं. 298/2012-सीमा शुल्क, दिनांक 16/11/2012 में उल्लिखित इकनॉमिक आपरेटर प्रोग्राम के तहत प्राधिकृत लाइसेंस, उस समय तक नवीनीकरण की जरूरत नहीं होगी जब तक कि इस प्रकार का प्राधिकरण वैध रहेगा।

- (2) कस्टम आयुक्त, उपविनियम (1) के अंतर्गत लाइसेंस धारक द्वारा लाइसेंस की वैधता के समाप्त होने से पूर्व आवेदन करने पर यदि लाइसेंस धारक को निष्पादन इस विनियमन में विनिर्दिष्ट दायित्वों के संबंध में, इसमें कदाचार की किसी भी प्रकार की शिकायत को घटना को अनुपस्थिति भी सम्मिलित है, से संतुष्ट होता है तो समाप्ति की तारीख से आगे 10 वर्ष के लिए लाइसेंस का नवीकरण कर सकता सकता है।

- (3) लाइसेंस के नवीनीकरण का शुल्क पांच हजार रुपये होगा।

10 लाइसेंस हस्तांतरणीय नहीं है- इन विनियमों के अंतर्गत नवीकृत या प्रदान किये गये प्रत्येक लाइसेंसधारक के पक्ष में प्रदान किया गया या नवीकृत किये गये लाइसेंस को बेचा या हस्तांतरित नहीं किया जाएगा।

11 कस्टम ब्रोकर के दायित्व - एक कस्टम ब्रोकर के निम्नलिखित कार्य होंगे

- (क) प्रत्येक कंपनी फर्म या व्यक्ति से एक प्राधिकार प्राप्त करना जिसके द्वारा उसे निश्चित समय सीमा के लिए कस्टम ब्रोकर के रूप में नियोजित किया गया है।

- तथा कस्टम उप-आयुक्त या कस्टम सहायक आयुक्त के द्वारा जब कभी आवश्यकता हो इस प्रकार के प्राधिकरण को प्रस्तुत करना।
- (ख) निजी रूप से या कस्टम सहायक आयुक्त या कस्टम उप आयुक्त के द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित कर्मचारी के द्वारा कस्टम स्टेशनों में बिजनेस संचालित करना।
- (ग) किसी भी ऐसे मामले में, जिसमें कस्टम ब्रोकर, केन्द्रीय सीमा तथा उत्पाद शुल्क बोर्ड के एक पूर्ववर्ती कर्मचारी के रूप में या सरकारी सेवा में रहते हुए उन्होंने जो ज्ञान ग्रहण किया था उन तथ्यों पर व्यक्तिगत विचार दिये थे, में ग्राहक को पुनः प्रस्तुत नहीं करना।
- (घ) अपने ग्राहकों को अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन का परामर्श देना तथा गैर अनुपालन के मामले में इन मामलों को कस्टम सहायक आयुक्त या कस्टम उप-आयुक्त के ध्यान में लाना।
- (ङ.) जब वह सामान या कार्गो की निकासी के संबंधित किसी भी कार्य के संबंध में एक ग्राहक के साथ किसी भी सूचना की परिशुद्धता को अभिनिश्चित करने के लिए नियत तत्परता का प्रयोग करना।
- (च) कस्टम आयुक्त के द्वारा जारी सामान या कार्गो की निकासी से संबंधित जनसूचना या निर्देश किसी आदेश में समाविष्ट सूचना को, उस ग्राहक से जो कि इस प्रकार की सूचना पाने का हकदार है, से रोक कर न रखना।
- (छ) सरकार के प्रति किसी शुल्क कर या किसी अन्य ऋण या बाध्यताओं के भुगतान के लिए प्राप्त राशि जब देय हो तो सरकार को तुरंत भुगतान करना। वह निधियां जो सरकार से उसके प्रति प्राप्त हुई हैं या सरकार को अतिरिक्त में उसे प्राप्त हुई हैं या ग्राहक की ओर से कार्गो या सामान को निकासी के संबंध में भुगतान योग्य था अन्य को तत्काल ही ग्राहक के खाते में दिखाना।
- (ज) किसी भी प्रकार के सरकारी या अन्य सरकारी स्रोतों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सूचना की अधिप्राप्ति करना या अधिप्राप्ति का प्रयास करना जिसको सहमति संबंधित कार्यालय द्वारा प्रदान नहीं की गई है।
- (झ) किसी भी प्रकार का उपहार या कृपा या कोई अन्य मूल्यवान वस्तु या लाभ का कोई वादा या किसी प्रकार की विशेष प्रेरणा का प्रस्ताव, दंभाव, झूठा अभियोग, धमकी के प्रयोग के द्वारा उसके अधीनस्थों या इस प्रकार के अधिकारियों के समक्ष विचाराधीन किसी मामले में, कस्टम स्टेशन के किसी अधिकारी के व्यवहार को प्रभावित न करना
- (ट) किसी भी पुस्तक के कागज या अन्य रिकार्ड के कोई अंश या पूरे हिस्से को नष्ट करना, हटाना, छिपाना या उस तक पहुंच को मना करना । जोकि कस्टम ब्रोकर के रूप में उसके लेन-देन से संबंधित है और जिन्हें सीमा शुल्क आयुक्त के द्वारा

मांगा जा सकता है।

- (ठ) प्रवेश के बिल शिपिंग बिल पारगमन आवेदन इत्यादि जैसे प्रपत्रों तथा सभी पत्र व्यवहार तथा कस्टम ब्रोकर के रूप में अपने व्यवसाय से संबंधित अन्य प्रपत्रों जैसा कि कस्टम आयुक्त या तथा कस्टम सहायक आयुक्त के द्वारा निर्धारित किया जाता है, तरीके से वित्तीय लेन-देन सहित सभी लेखाओं को व्यवस्थित तथा मदवार तरीके से बनाए रखना तथा उन्हें अभिनूतन बनाए रखना।
 - (ड) और उत्तर प्रदान किये गए लाइसेंस खो जाने की स्थिति में तुरंत इस बात की सूचना कस्टम आयुक्त को देना।
 - (ण) इस बात को सुनिश्चित करना कि एक कस्टम ब्रोकर के रूप में अपने कार्य का निर्वहन, अविलंब रूप से पूरी तत्परता तथा शीघ्रता के साथ कर रहा है;
 - (त) पूर्ववृत्त, आयातक निर्यातक कोड नम्बर (आईईसी) की यथातथ्यता, अपने ग्राहक की पहचान तथा उसके द्वारा घोषित पते को विश्वसनीय स्वतंत्र प्रामाणिक प्रपत्रों, आंकड़ों या सूचनाओं के द्वारा उसकी कार्यप्रणाली को सत्यापित करना।
 - (थ) डाक, पते, टेलीफोन नम्बर ई-मेल आदि में किसी भी प्रकार के परिवर्तन की सूचना कस्टम उप आयुक्त या उप कस्टम सहायक आयुक्त को, एक माह के भीतर देना।
- 12 कंपनी के निदेशकों में परिवर्तन इत्यादि- विनियमन 7 के तहत लाइसेंस धारक किसी कंपनी में निदेशक या प्रबंध निदेशक में कोई परिवर्तन होता है तो इस प्रकार के परिवर्तन की सूचना, इस प्रकार के लाइसेंसधारक द्वारा इस प्रकार के परिवर्तन के एक माह के भीतर कस्टम आयुक्त को तत्काल प्रेषित की जानी चाहिए।
- 13 किसी भी फर्म या एक कंपनी के संविधान में परिवर्तन
- (1) इन अधिनियमों के तहत लाइसेंसधारक, किसी एक कंपनी या फर्म के मामले में, यदि उनके संविधान में कोई परिवर्तन होता है तो जैसा भी मामला हो, इसकी सूचना जितनी जल्दी संभव हो सके, कस्टम आयुक्त को दी जाएगी और इस प्रकार की फर्म या कंपनी इस प्रकार के परिवर्तन को सूचित करते हुए, उपरोक्त कस्टम आयुक्त को इस प्रकार के परिवर्तन के 60 दिनों की अवधि के भीतर विनियमन 7 के अंतर्गत लाइसेंस प्रदान करने के लिए एक नया आवेदन करेगी और यदि इस प्रकार की कंपनी या फर्म के विरुद्ध किसी प्रकार की स्थिति भी प्रतिकूल नहीं है तो जैसा भी मामला हो, नया लाइसेंस प्रदान किया जा सकता है।

बशर्ते कि, यदि इस प्रकार की बोर्ड कंपनी या फर्म इस प्रकार के परिवर्तन के लिए आवेदन करती है तो इस प्रकार की कंपनी या फर्म को कस्टम आयुक्त की सहमति के साथ कस्टम ब्रोकर के अपने व्यवसाय को संचालित करने की आज्ञा उस अवधि के लिए प्रदान की जाएगी तब तक इस प्रकार की कंपनी या

फर्म के नये आवेदन पर निर्णय नहीं ले लिया जाता है।

- (2) यद्यपि उप विनियमन (1) में सम्मिलित, किसी ऐसी फर्म या कंपनी के मामलों में जिसका लाइसेंस जबरन जब्त कर लिया गया है क्योंकि सहभागी की सेवामुक्ति या मृत्यु या निदेशक या एक प्राधिकृत कर्मचारी ने विनियमन 6, में उल्लिखित परीक्षा को उत्तीर्ण कर लिया है, फर्म या कंपनी, अन्य सहभागी के नाम, निदेशक या प्राधिकृत कर्मचारी जिसने विनियमन 6 में उल्लिखित परीक्षा को उत्तीर्ण कर लिया है, मृतक व्यक्ति के नाम से स्थानांतरण के लिए आवेदन कर सकती है।

बशर्ते कि यदि कंपनी या फर्म में इस प्रकार का कोई व्यक्ति नहीं होता है, तो ऐसी कंपनी या फर्म, जैसा भी मामला हो, किसी अन्य सहभागी, निदेशक या प्राधिकृत कर्मचारी को, जो कि 'जी' कार्ड धारक हो, को विनियमन 17 के उपनियमन (17) में उल्लिखित परीक्षा को इस प्रकार के व्यक्ति की सेवा मुक्ति या मृत्यु की तारीख से दो वर्ष के भीतर परीक्षा उत्तीर्ण करनी होती है तथा कम्पनी या फर्म को कस्टम आयुक्त की अनुमति से कस्टम ब्रोकर के बिजनेस को चालू रखने की अनुमति तब तक के लिए दी जा सकती है जब तक कि इस प्रकार का सहभागी, निदेशक या प्राधिकृत कर्मचारी उपरोक्त परीक्षा को उत्तीर्ण न कर ले।

14 समुद्यम संविधान में परिवर्तन-

- (1) जहां कि इन विनियमों के अंतर्गत, किसी व्यक्ति के पक्ष में, जो कि कोई फर्म या कंपनी नहीं है, लाइसेंस जारी किया गया है या इसका नवीनीकरण किया गया है। किसी फर्म या कंपनी से संबंधित अपने समुद्यम के संविधान में परिवर्तन होता है तो ऐसी नई फर्म या कंपनी को, इन विनियमों के अनुसार लाइसेंस के प्रदान किये जाने के विचाराधीन होने के मामले में, को सीमा शुल्क आयुक्त के अनुमोदन से विनियम 6 के अंतर्गत विधिवत योग्य किसी कर्मचारी के माध्यम से सीमा शुल्क ब्रोकर के रूप में कार्य करने की अनुमति प्रदान की जाएगी।
- (2) उप विनियम (1) में निहित किसी बात के बावजूद, जहां कि इन विनियमों के अंतर्गत लाइसेंस ऐसे व्यक्ति के पक्ष में दिया गया है या नवीनीकृत किया गया है जो कि ऐसे व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के पश्चात् प्रवर्तन में नहीं है, उसका विधिक उत्तराधिकारी, जो कि एक व्यस्क है और विनियमन 17 के उपविनियमन (7) में संदर्भित (च) कार्ड धारक है को एक आयुक्त सीमा शुल्क के अनुमोदन से एक सीमा शुल्क ब्रोकर के रूप में कार्य करने की अनुमति होगी और ऐसे विधिक उत्तराधिकारी के लिए यह अपेक्षित होगा कि वह भूल लाइसेंस धारक की मृत्यु की तारीख से 2 वर्ष की अवधि के भीतर विनियमन 6 में संदर्भित परीक्षा की उत्तीर्ण कर ले।

15 विनियमन 6, इत्यादि में संदर्भित परीक्षा में उत्तीर्ण व्यक्तियों को संलग्न करना:-

2780 4/13-3

- (1) ऐसा कोई व्यक्ति जिसने विनियम 6, में संदर्भित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है विनियमन 7 के अंतर्गत लाइसेंस प्राप्त किसी फर्म या कंपनी की ओर से सीमा शुल्क के माध्यम से माल की क्लीयरेंस से संबंधित कार्य में स्वयं को संलग्न कर सकता है बशर्ते कि किसी भी समय वह ऐसी एक से अधिक फर्म या कंपनी की ओर से स्वयं को ऐसे किसी भी कार्य में संलग्न नहीं कर सकता है।
 - (2) यदि ऐसे व्यक्ति जिसने विनियमन 6 में संदर्भित परीक्षा उत्तीर्ण की है और किसी लाइसेंस प्राप्त फर्म या कंपनी की ओर से सीमा शुल्क स्टेशन के कार्य में वास्तविक रूप से संलग्न है, में फेर-बदल होता है तो इसकी सूचना फर्म या कंपनी, जैसी भी स्थिति हो, उपायुक्त सीमा शुल्क या सहायक सीमा शुल्क आयुक्त को सूचित करेगा और एफ जी या एच कार्ड धारक से पृथक अन्य कोई नये व्यक्ति को विनियमन 17 के उपनियम 7 में संदर्भित, सीमा शुल्क स्टेशन में उक्त फर्म या कंपनी की ओर से विधिवत प्राधिकारी के रूप में कार्य करने की अनुमति नहीं होती।
- 16 लेखाओं का निरीक्षण- ऐसे सभी कागजात व लेखाओं को, जो कि इन विनियमों के अंतर्गत व्यवस्थित रखे जाने के लिए आवश्यक हैं, कम से कम पांच वर्ष तक, सुरक्षित रखे जाएंगे। और इस उद्देश्य के लिए प्राधिकृत किसी अधिकारी के द्वारा निरीक्षण इन लेखाओं और कागजातों को प्रस्तुत किया जाना होगा।
- 17 व्यक्तियों का नियोजन-
- (1) कोई सीमा शुल्क ब्रोकर अपने द्वारा किये जा रहे कार्य व्यापार के परिमाण को देखते हुए विश्वसनीय, स्वतंत्र, प्रमाणिक दस्तावेजों, आंकड़ा या सूचना का प्रयोग करते हुए, उसके घोषित पते पर उनके पूर्वचरित्र तथा पहचान का सत्यापन करने के पश्चात् अपनी सहायता के लिए आवश्यकतानुसार व्यक्तियों की नियुक्ति कर सकते हैं। बशर्ते कि इस प्रकार से संलग्न किये जाने वाले व्यक्ति की न्यूनतम शैक्षिक अर्हता 10+2 या सम कक्ष होनी चाहिए ।
 - (2) उपनियम (1) में संदर्भित किसी व्यक्ति की नियुक्ति उपायुक्त सीमा शुल्क आयुक्त, जैसी भी स्थिति हो के अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात ही की जा सकती है जो कि अपना अनुमोदन देते समय, ऐसे व्यक्ति के पूर्व चरित्र और उसके चरित्र से संबंधित अन्य सूचनाओं पर विचार करेगा।
 - (3) उपनियम (1) में संदर्भित व्यक्ति उक्त उप-आयुक्त सीमा शुल्क सहायक सीमा शुल्क आयुक्त, जैसी भी स्थिति हो के द्वारा संचालित परीक्षा को अपनी नियुक्ति की तारीख से चार प्रयासों के भीतर उत्तीर्ण कर लेगा और यह परीक्षा इस प्रकार की होगी, जिससे कि सीमा शुल्क के माध्यम से माल तथा सामान से संबंधित इस अधिनियम के प्रावधानों के बारे में ऐसे व्यक्ति के पर्याप्त ज्ञान के बारे में पता चल सके।

- (4) उपनियम (3) में निहित किसी बात के बावजूद, ऐसा कोई व्यक्ति जो कि सीमा शुल्क ब्रोकर के अंतर्गत नियुक्त है और उसने उप-नियम (3) में संदर्भित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, अन्य किसी सीमा शुल्क ब्रोकर के अंतर्गत अपनी नियुक्ति होने पर, उपायुक्त सीमा शुल्क या सहायक सीमा शुल्क आयुक्त के अनुमोदन से ऐसी परीक्षा को उत्तीर्ण करने से छूट प्राप्त कर सकता है।
- (5) जहां कि सीमा शुल्क ब्रोकर अपने द्वारा नियुक्त किसी व्यक्ति को इस बात के लिए प्राधिकृत करता है कि वह उसकी ओर से, उसके कार्य व्यापार से संबंधित दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर सकता है, वह उपायुक्त सीमा शुल्क या सहायक सीमा शुल्क आयुक्त जैसी भी स्थिति हो, के समक्ष इस निमित्त लिखित प्राधिकार प्रस्तुत करेगा और यदि ऐसे प्राधिकार में कोई संशोधन होता है या इसे वापिस लिया जाता है तो लिखित में इसकी तत्काल सूचना देगा।
- (6) सीमा शुल्क प्राधिकारी अपने आगम पत्र, शिपिंग बिलों या इसमें संलग्न अन्य कागजातों पर हस्ताक्षर करने के लिए केवल ऐसे ही कर्मचारी को प्राधिकृत करेगा जिसने कि इन विनियमावली के विनियमन 6 में संदर्भित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।
- (7) उपायुक्त सीमा शुल्क या सहायक सीमा शुल्क आयुक्त जैसी भी स्थिति हो, सीमा शुल्क द्वारा नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को उसका फोटो पहचान पत्र जारी करेगा -
 - (i) फार्म 'एफ' में यदि उसने विनियमन 6 में संदर्भित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।
 - (ii) फार्म 'जी' में यदि उसने उपनियमन (3) में संदर्भित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।
 - (iii) फार्म 'एच' में यदि उसने उपनियमन (3) में संदर्भित परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है।

तथा ऐसा व्यक्ति हर समय जब वह सीमा शुल्क स्टेशन पर कार्य करता है, अपना फोटो पहचान पत्र अपने पास रखेगा और जब भी सीमा शुल्क स्टेशन का कोई अधिकारी निरीक्षण करने के लिए उसकी मांग करेगा, तो वह इसे प्रस्तुत करेगा।
- (8) फार्म 'एच' में दिया गया फोटो पहचान पत्र सीमा शुल्क ब्रोकर के किसी कर्मचारी से वापिस नहीं लिया जाएगा चाहे वह उपनियम 3 में संदर्भित परीक्षा उत्तीर्ण न कर पाया हो।
- (9) सीमा शुल्क ब्रोकर ऐसे सभी आवश्यक निरीक्षण करेगा जो कि ऐसे कार्य व्यापार में अपने कर्मचारी के समुचित व्यवहार को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हो और वह अपने कर्मचारी की नियुक्ति के दौरान उसके हर कार्य और लोप के प्रति उत्तरदायी होगा।

18 लाइसेंस को वापस लेना या दंड लगाना- सीमा शुल्क आयुक्त, विनियम 20 के

प्रावधानों के अधीन रहते हुए, निम्नलिखित आधार पर सीमा शुल्क ब्रोकर से लाइसेंस वापस ले सकता है या आंशिक प्रतिभूति या पूर्ण प्रतिभूति को जब्त करने का आदेश दे सकता है या उस पर पचास हजार रुपये से अनधिक का दंड लगा सकता है, यथा

- (क) यदि वह विनियम 8 के अंतर्गत अपने द्वारा निष्पादित बंध पत्र की किसी शर्त अनुपालन नहीं कर पाता है;
- (ख) उसके क्षेत्राधिकार में या अन्य कहीं इन विनियमों के किन्हीं प्रावधानों का अनुपालन नहीं कर पाता है;
- (ग) अपने क्षेत्राधिकार में या अन्य कहीं ऐसा दुर्यवहार करता है जो कि आयुक्त की राय में सीमा शुल्क स्टेशन पर कोई कार्य व्यवहार करने से वह अयोग्य हो जाता है;
- (घ) उसे दिवालिया अधिनिर्णीत कर दिया जाता है;
- (ङ.) मंदबुद्धि घोषित कर दिया जाता है; और
- (च) किसी सक्षम न्यायालय द्वारा उसे ऐसा अपराधी घोषित कर दिया जाता है जिसमें नैतिक चरित्र हीनता शामिल हो:

बशर्ते कि इन विनियमों के अंतर्गत कोई दंड लगाया जायेगा या कार्रवाई बिना किसी पूर्वाग्रह के उस कार्य के प्रति की जायेगी जो कि सीमा शुल्क ब्रोकर या उसका कर्मचारी सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) या तत्समय प्रचलित किसी अन्य विधि के प्रावधानों के अंतर्गत किया गया हो।

19 लाइसेंस का स्थगन -

- (1) विनियम 18 में निहित किसी भी बात के बावजूद, आयुक्त सीमा शुल्क, ऐसे उचित मामलों में जिनमें तत्काल कार्रवाई जरूरी हो, ऐसे किसी सीमा शुल्क ब्रोकर का लाइसेंस स्थगित कर सकता है जिसके खिलाफ कोई जांच विचाराधीन है या चलाई जाने वाली है।
- (2) जहां कि उपविनियम (1) के अंतर्गत कोई लाइसेंस स्थगित कर दिया जाता है, आयुक्त सीमा शुल्क, ऐसे स्थगन की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर ऐसे सीमा शुल्क ब्रोकर को सुनवाई का अवसर देगा जिसके लाइसेंस को स्थगित किया गया है और सीमा शुल्क ब्रोकर को सुनवाई की दी गई तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर, स्थगन को वापस लेने या उसे जारी रहने जैसा भी उचित हो, का आदेश देगा।

बशर्ते कि यदि आयुक्त, सीमा शुल्क स्थगन को जारी रखने का आदेश देता है तो उसके बाद की प्रक्रिया वह होगी जो विनियम 20 में दी गई है।

20 लाइसेंस वापस लेने अथवा शस्ति लगाने की प्रक्रिया

- (1) सीमा शुल्क आयुक्त किसी अपराधकी रिपोर्ट की प्राप्ति की तारीख से 90 दिन के भीतर कस्टम ब्रोकर को लिखित में नोटिस जारी करेगा, जिसमें लाइसेंस वापस लेने/शस्ति लगाने के कारणों का उल्लेख होगा जिसके लिए संबंधित कस्टम

- ब्रोकर को उसके द्वारा नामांकित उपायुक्त, सीमा शुल्क अथवा सहायक आयुक्त, सीमा शुल्क अथवा सहायक आयुक्त, सीमा शुल्क को 30 दिन के भीतर बचाव में एक लिखित विवरण प्रस्तुत करेगा तथा साथ ही उपर्युक्त विवरण में यह भी उल्लेख करेगा कि क्या वह संबंधित सीमा शुल्क उपायुक्त अथवा सहायक आयुक्त से व्यक्तिगत रूप से सुनवाई का अवसर चाहता है।
- (2) सीमा शुल्क आयुक्त, कस्टम ब्रोकर से लिखित विवरण की प्राप्ति पर अथवा जिन मामलों में विनिर्दिष्ट समय-सीमा के भीतर ऐसा विवरण प्राप्त नहीं होता जिसे उप विनियम (1) में संदर्भित नोटिस में निर्धारित किया गया है, तो वह उपायुक्त सीमा शुल्क अथवा सहायक आयुक्त सीमा शुल्क को उन कारणों की जांच के लिए, जिन्हें कस्टम ब्रोकर द्वारा स्वीकार नहीं किया गया है, निदेशित करेगा।
 - (3) उपायुक्त सीमा शुल्क अथवा सहायक आयुक्त सीमा शुल्क, जांच के दौरान, ऐसे दस्तावेजी साक्ष्यों अथवा ऐसे मौखिक साक्ष्यों जो इस कार्रवाई के आधार हेतु जांच के कारणों के संबंध में संगत अथवा ठोस हो तथा वह कस्टम ब्रोकर के पक्ष में अथवा उसके विरुद्ध साक्ष्य देने वाले व्यक्ति से वस्तु स्थिति सुनिश्चित करने हेतु कोई भी प्रश्न कर सकता है।
 - (4) कार्रवाई के आधार को सुनिश्चित करने के पक्ष के लिए संबंधित कस्टम ब्रोकर को ऐसे व्यक्ति के क्रोस जांच करने की हकदारी होगी तथा जहां जिन मामलों में उपायुक्त अथवा सहायक आयुक्त, सीमा शुल्क किसी व्यक्ति की जांच के लिए इस आधार पर इंकार कर देता है कि उसका साक्ष्य जांच हेतु संगत अथवा ठोस नहीं है तो वह ऐसा करने के कारणों को लिखित में रिकार्ड करेगा।
 - (5) जांच पूरी होने के बाद उपायुक्त अथवा सहायक आयुक्त, सीमा शुल्क जांच की रिपोर्ट तैयार करेगा तथा उस पर अपने निष्कर्षों को रिकार्ड करने के बाद उपविनियम (1) के अंतर्गत नोटिस जारी करने के 90 दिन के भीतर उस पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।
 - (6) सीमा शुल्क आयुक्त, कस्टम ब्रोकर को उपायुक्त अथवा सहायक आयुक्त सीमा शुल्क की रिपोर्ट की एक प्रति प्रदान करेगा तथा कस्टम ब्रोकर को विनिर्दिष्ट समय-सीमा में, जो 30 दिन से कम नहीं हो, के भीतर उस रिपोर्ट के विरुद्ध, यदि वह चाहता हो तो अभ्यावेदन प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेगा।
 - (7) आयुक्त, सीमा शुल्क, जांच की रिपोर्ट तथा कस्टम ब्रोकर द्वारा उस पर दिए गए अभ्यावेदन यदि कोई हो, पर विचार करने के बाद उसके लाईसेंस के निरस्तिकरण को वापस लेने अथवा कस्टम ब्रोकर का लाईसेंस निरस्त करने अथवा उप विनियम (5) के अंतर्गत उपायुक्त सीमा शुल्क अथवा सहायक आयुक्त, सीमा शुल्क की रिपोर्ट के प्रस्तुत करने के 90 दिन के भीतर विनियम 22 में उल्लिखित राशि से अधिक राशि नहीं होने की शर्त पर शस्ति लगाएगा।

2780 6/13-4

- परंतु शर्त यह होगी कि लाईसेंस निरस्त करने का कोई भी आदेश तब तक पारित नहीं किया जाएगा जब तक कि कस्टम ब्रोकर को आयुक्त, सीमा शुल्क द्वारा व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर प्रदान नहीं किया जाता।
- 21 कस्टम ब्रोकर द्वारा अपील- इन विनियमों के अंतर्गत सीमा शुल्क, आयुक्त द्वारा पारित किसी आदेश से व्यथित कस्टम ब्रोकर इस अधिनियम की धारा 129 की उपधारा (1) के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय उत्पाद कर तथा सेवा कर अपीलीय अधिकरण में सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 129 क के अंतर्गत अपील कर सकते हैं।
- 22 शास्ति: कोई कस्टम ब्रोकर जो इन विनियमों के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है अथवा ऐसे किसी उपबंध का पालन करने में विफल रहता है जो उसका इन विनियमों के अंतर्गत दायित्व हो पर अधिक से अधिक 50 हजार रुपये की शस्ति लगाई जा सकती है।
- 23 निषेध: इन विनियमों में निहित किसी शर्त के बावजूद सीमा शुल्क, आयुक्त किसी कस्टम ब्रोकर को कस्टम स्टेशन के किसी एक अथवा अधिक भागों में कार्य करने से निषेध कर सकता है, यदि वह इस बात से संतुष्ट हो कि कस्टम ब्रोकर उस भाग अथवा भागों में कार्य से संबंधित विनियम 10 के अंतर्गत निर्धारित किसी दायित्व को पूरा नहीं करता है।
- 24 संघों की सदस्यता: प्रत्येक कस्टम ब्रोकर कस्टम ब्रोकर संघ के सदस्य के रूप में अपना पंजीकरण करेगा यदि उस कस्टम स्टेशन पर कोई पंजीकृत संघ है तथा उसे सीमा शुल्क, आयुक्त द्वारा मान्यता प्रदान की गई है।

प्रपत्र-क

[देखें विनियम 4(1) का उप-विनियम (1) देखें]

सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 146 के अंतर्गत कस्टम ब्रोकर लाइसेंस प्रदान करने
हेतु आवेदन प्रपत्र

1. आवेदक का नाम
2. आवेदक का पूरा पता
3. यदि आवेदक कोई फर्म अथवा कंपनी हो तो, फर्म के साझेदारों अथवा कंपनी के निदेशकों का नाम तथा पता;
4. यदि आवेदक कोई फर्म अथवा कंपनी हो तो उसके साझेदार/साझेदारों अथवा निदेशक/निदेशकों जो वस्तुतः कस्टम ब्रोकर के रूप में कार्य करेंगे।
5. ऐसे व्यक्तियों की शैक्षणिक योग्यता, जो वस्तुतः कस्टम ब्रोकर के रूप में कार्य करेंगे।

उद्घोषणा

- क. मुझे अंग्रेजी/स्थानीय भाषा (.....)/हिन्दी का कार्य साधक ज्ञान है
- ख. मैंने पहले कस्टम ब्रोकर के रूप में कार्य करने हेतु आवेदन नहीं दिया है तथा ऐसा आवेदन अस्वीकृत/स्वीकृत हो गया था
- ग. इस फर्म अथवा कंपनी जिसके द्वारा अधोहस्ताक्षरी को रोजगार दिया गया है, के पास पहले कस्टम हाउस लाइसेंस विनियम, 1984/कस्टम हाउस लाइसेंस विनियम, 2004/इन विनियमों के अंतर्गत कस्टम हाउस एजेंट/कस्टम ब्रोकर लाइसेंस था तथा इसे रद्द/निरस्त कर दिया गया था/रद्द अथवा निरस्त नहीं किया गया था।
- घ. अधोहस्ताक्षरी अथवा मेरे द्वारा रोजगार पर रखे गए अन्य व्यक्तियों को केन्द्रीय उत्पाद कर अधिनियम, 1944 (1994 का 1) सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) तथा वित्त अधिनियम, 1944 के अंतर्गत दंड/दोषी अथवा अभियोजन चलाया गया/चलाया नहीं गया है

कस्टम ब्रोकर लाइसेंस विनियम, 2013 के विनियम 5 के अनुसार दस्तावेजों की सूची

क्र.सं.	शैक्षणिक	वित्तीय
1		
2		
3		
4		

मैं/हम पुष्टि करते हैं कि मैंने/हमने कस्टम ब्रोकर लाइसेंसिंग विनियम, 2013 पढ़ लिये हैं तथा उनका पालन करने के लिए सहमत हैं।

आवेदक के हस्ताक्षर

दिनांक

प्रपत्र-ख
(विनियम 7 देखें)
कस्टम ब्रोकर हेतु लाईसेंस

लाईसेंस सं.
वैध अवधि

सुकुमारी/सर्वश्री/श्री.....पता..... इस लाईसेंस में निर्धारित शर्तों के अधीन कस्टम ब्रोकर के रूप में व्यवसाय करने हेतु एतद्वारा प्राधिकृत है। इसके अतिरिक्त, किसी फर्म अथवा कंपनी के मामले में कस्टम ब्रोकर का कार्य निम्न में से किसी के माध्यम से किया जाएगा:-

व्यक्ति का नाम	नमूना हस्ताक्षर
1.	
2.	
3.	
4.	
5.	

जारी किए जाने वाला कस्टम स्टेशन

सीमा शुल्क आयुक्त के हस्ताक्षर
(मोहर सहित)

जारी किए जाने की तारीख



लाईसेंस की शर्त

यह लाईसेंस निम्न शर्तों के अधीन जारी किया गया है:

(क) लाईसेंस धारक निम्न कार्य करेगा-

1. किसी अन्य व्यक्ति को लाईसेंस बचेगा नहीं अथवा अन्यथा स्थानांतरित नहीं करेगा।
2. प्रत्येक कंपनी फर्म अथवा व्यक्ति जिसमें उसे उस समय कस्टम ब्रोकर के रूप में रोजगार दिया हुआ है, से एक प्राधिकार प्राप्त करेगा तथा जब कभी उपायुक्त अथवा सहायक आयुक्त, सीमा शुल्क द्वारा अपेक्षित किया जाए ऐसे प्राधिकार को प्रस्तुत करेगा।
3. कस्टम स्टेशन में या तो व्यक्तिगत रूप से अथवा सीमा शुल्क, आयुक्त द्वारा पदनामित उपायुक्त अथवा सहायक आयुक्त, सीमा शुल्क द्वारा यथा अनुमोदित किसी कर्मचारी के माध्यम से कार्य करेगा।
4. लाईसेंस के गुम हो जाने की स्थिति में, उसकी आयुक्त सीमा शुल्क को तत्काल सूचना दें।
5. यह सुनिश्चित करें कि वह कस्टम ब्रोकर के रूप में अपने कर्तव्य का तत्परता से तथा कार्य कुशलता और बिना विलम्ब किए करेगा।
6. कस्टम ब्रोकर लाईसेंसिंग विनियम, 2013 के विनियम 11 के विनिर्दिष्ट दायित्वों का निर्वहन करेगा।

(ख) यह लाईसेंस जारी किए जाने की तारीख से 10 वर्षों के लिए वैध है तथा इसे कस्टम ब्रोकर लाईसेंसिंग विनियम, 2013 के विनियम 9 के उप विनियम(2) में निर्धारित की गई प्रक्रिया के अनुसार समय-समय पर नवीकरण कराया जाएगा।

27809/13-5

प्रपत्र-ग
(विनियम 7 का उप विनियम(2) देखें)

अन्य कस्टम स्टेशन पर कार्य करने हेतु कस्टम ब्रोकर द्वारा सूचना

1. कस्टम ब्रोकर का नाम
2. कस्टम ब्रोकर का पूरा पता
3. कस्टम ब्रोकर की लाईसेंस संख्या और जारी करने वाला कस्टम हाऊस
4. यदि आवेदक कोई फर्म अथवा कंपनी हो तो, फर्म के साझेदारों अथवा कंपनी के निदेशकों का नाम तथा पता;
5. यदि आवेदक कोई फर्म अथवा कंपनी हो तो उसके साझेदार/साझेदारों अथवा निदेशक/निदेशकों जो वस्तुतः कस्टम ब्रोकर के रूप में कार्य करेंगे।

मैं/हम पुष्टि करते हैं कि मैंने/हमने कस्टम ब्रोकर लाइसेंसिंग विनियम, 2013 पढ़ लिये हैं तथा उनका पालन करने के लिए सहमत हैं।

आवेदक के हस्ताक्षर

दिनांक

प्रपत्र-घ
(विनियम 8 देखें)

बॉण्ड सं. 20..... का.....

सर्वजन को सूचित किया जाता है कि हम भारत के राष्ट्रपति से रुपये की भुगतान राशि के लिए पूर्णतः समर्पित तथा बाध्य हैं जिससे हम अपने आप को, तथा हममें से प्रत्येक तथा हमारा प्रत्येक उत्तराधिकारी, कार्यनिष्पादक तथा प्रशासक इस दो हजार के..... वर्ष में..... तारीख को बाध्य है।

जबकि उपर्युक्त..... को कस्टम अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 146 के अंतर्गत प्राधिकृत किया गया है तथा उपर्युक्त सीमा शुल्क ब्रोकर लाईसेंसिंग विनियम, 2013 (तत्पश्चात उपर्युक्त विनियम के रूप में संदर्भित) द्वारा अपेक्षित अनुसार इस बॉण्ड के लिए सहमत है।

तथा जबकि उपर्युक्त ने भारत के राष्ट्रपति के साथ इस विनियम के संबंध में अपने तथा अपने कर्मचारियों की वफादारी हेतु सुरक्षा राशि के रूप में 50,0000/- (पांच लाख रुपये) की राशि जमा करा दी है।

उपर्युक्त बॉण्ड की शर्त इस प्रकार है कि यदि उपर्युक्त..... तथा उसके कर्मचारी उपर्युक्त लाईसेंस धारी होते हुए सदैव उपर्युक्त विनियम के संबंध में वफादारी पूर्ण व्यवहार करते हैं तथा यदि उपर्युक्त..... तथा उसके कार्य-निष्पादक तथा प्रशासक गलत आचरण अथवा लापरवाही के कारण भारत सरकार को देय राशि सदैव भारत के राष्ट्रपति समग्र तथा प्रत्येक देय राशि उपर्युक्त..... अथवा उसके कर्मचारियों द्वारा भारत के राष्ट्रपति को भुगतान नहीं करते हैं तो यह बॉण्ड रद्द हो जायेगा; अन्यथा यह पूर्ण प्रभाव से प्रवृत्त रहेगा तथा एतद्वारा यह सहमति की जाती है तथा उद्घोषित किया जाता है कि 5,00000 रुपये (5 लाख रुपये) की उपर्युक्त किया गया है उपर्युक्त तथा उसके कर्मचारियों के गलत आचरण अथवा लापरवाही के कारण भारत के राष्ट्रपति को प्रतिपूर्ति हेतु उपर्युक्त समग्र तथा प्रत्येक राशि का आहरण किया जा सकता है।

एतद्वारा यह सहमति की जाती है कि 5,00000 (पांच लाख रुपये) की उपर्युक्त राशि उपर्युक्त..... तारीख के बाद 12 कलैण्डर वर्षों तक भारत के राष्ट्रपति के पास रहेगी जिसके बाद उपर्युक्त किसी गलत आचरण अथवा लापरवाही के कारण सरकार को अथवा उसके कर्मचारियों की कस्टम ब्रोकर सुरक्षा राशि के रूप में देय राशि की प्राप्ति नहीं होगी तथा

यह बांड बारह माह की उपर्युक्त अवधि की समाप्ति तक पूर्ण रुप से प्रवृत्त रहेगा। यह भी सहमति तथा उद्घोषित किया जाता है कि भारत के राष्ट्रपति उपर्युक्त द्वारा जमा कराई गई 500000 (पांच लाख रुपये) की राशि का उपर्युक्त द्वारा किसी लेन-देन के संबंध में किसी इयूटी अथवा अन्य प्रभार के संग्रहण पूर्णत अथवा आंशिक रुप से कमी को आयात कर्त्ताओं तथा निर्यात कर्त्ताओं की ओर से प्रतिपूर्ति हेतु प्रयोग की जाएगी यदि ऐसी राशि का भुगतान सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 28 के अंतर्गत जारी मांग के बाद भी नहीं किया जाता है।

वर्ष.....20.....की तारीख को उपर्युक्त के नामों में निम्न गवाहों की मौजूदगी में हस्ताक्षर, मोहर तथा प्रेषित।

1.

2.....

भारत के राष्ट्रपति की
ओर से तथा के लिए स्वीकृत

आयुक्त सीमा शुल्क के हस्ताक्षर
(मोहर सहित)

तारीख.....

प्रपत्र-ड.

(विनियम 8 देखें)

20..... की प्रतिभू-बंधपत्र सं.....

20..... का..... संख्यांक इन विलेखों द्वारा यह सभी को ज्ञात हो कि हम (क).....और.....(ख) भारत के राष्ट्रपति के प्रति 500000/-रुपए (पांच लाख रुपये) का संदाय करने के लिए वचनबद्ध और आबद्ध है जिसका संदाय करने के लिए हम और हम में से प्रत्येक स्वयं को, अपने को, अपने-अपने वारिस, निष्पादक और प्रशासक को आज तारीख..... से आबद्ध करते हैं।

जबकि उक्त(क)..... को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 146 के अधीन उक्त सीमा शुल्क गृह एजेंट के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत किया गया है और उक्त..... (ख) ने उक्त धारा के अधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित इस बंधपत्र को निष्पादित करने के लिए करार किया है,

अब उक्त लिखित बंधपत्र की यह शर्त है कि यदि उक्त (क) दोनों सभी समयों पर जबकि कस्टम ब्रोकर लाइसेंसिंग विनियमावली, 2013 और अधिकारियों का जहां तक संबंध है एक ईमानदार और अविकृत ढंग में स्वयं व्यवहार करते हुए यथोक्त ऐसे प्राधिकार को धारण किए हुए, और उक्त..... (क) और (ख)..... उनके निष्पादक या प्रशासक उनमें से कुछ या एक भारत के राष्ट्रपति को ऐसी सभी और प्रत्येक धनराशि का जो सरकार को देय होने पर, उक्त..... (क) के अपकरण या उसकी उपेक्षा के कारण भारत के राष्ट्रपति को संदत्त नहीं की गई है, हर समय प्रतिपूर्ति करें तो उक्त लिखित बंधपत्र शून्य हो जाएगा, अन्यथा यह बंधपत्र पूर्णतः प्रवृत्त और बलशील रहेगा।

उक्त नामित व्यक्तियों द्वारा गवाहों को उपस्थिति में हस्ताक्षरित, मुहरांकित और सुपुर्द किया गया।

1.

2.

आज तारीख..... 20..... मेरे समक्ष निष्पादित किया गया।

सीमा शुल्क आयुक्त के हस्ताक्षर
(मुहर सहित)

2780 46/13-6

प्रपत्र-च

{विनियम-6 विनियम 17 का उप विनियम (6) का खंड (i) देखें}

सीमा शुल्क गृह एजेंट लाइसेंस सं.....

पहचान पत्र

फोटो

मैं/सर्वश्री/श्री :

पदनाम (प्रोप्राइटर, साझीदार, निदेशक, कर्मचारी):

तारीख को जारी किया गया:

तारीख तक वैध:

सीमा शुल्क गृह एजेंट का नाम:

सीमा शुल्क गृह एजेंट की श्रेणी (स्वामित्व फर्म/निजी/सार्वजनिक कं./अन्य):

सीमा शुल्क गृह एजेंट के नमूना हस्ताक्षर :

मैंने कस्टम ब्रोकर एजेंट लाइसेंसिंग विनियमन, 2013 के विनियम 6 के अंतर्गत आयोजित परीक्षा पास कर ली है।

सीमा शुल्क उपायुक्त/सहायक आयुक्त के हस्ताक्षर
(मुहर सहित)

(फोटो एजेंट द्वारा दी जानी है)

प्रपत्र-छ

{विनियम-17 का उप विनियम (6) का खंड(ii) देखिए}

..... तक वैध

फोटो

पहचान पत्र

श्री..... को, जो..... का है, इस कार्यालय की बहियों में श्री/सर्वश्री..... जो..... का है, के प्राधिकृत कर्मचारी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किया जा चुका है और उसे/उन्हें उनकी ओर से एतद्द्वारा सीमा शुल्क गृह में कारबार का संव्यवहार करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ताकि उसे तारीख..... से वर्ष की अवधि तक या उसके प्रधान को जारी किए गए लाइसेंस के रद्द किए जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, ऐसा करने के लिए अनुज्ञात किया जा सके।

उसने कस्टम ब्रोकर लाइसेंसिंग विनियमन 2013 के विनियम 17 के उप विनियम (6) के अंतर्गत आयोजित परीक्षा पास कर ली है।

कर्मचारियों के नमूना हस्ताक्षर.....

कस्टम ब्रोकर का नाम.....

कस्टम स्टेशन.....

दिनांक..... 20

सीमा शुल्क उपायुक्त/सहायक आयुक्त के हस्ताक्षर
(मुहर सहित)

(कर्मचारी फोटो कस्टम ब्रोकर द्वारा दी जानी है)

प्रपत्र-ज

{विनियम-17 का उप-विनियम(6) का खंड(iii) देखिए}

..... तक वैध

फोटो

पहचान सह प्राधिकार पत्र

श्री..... जो..... का है, इस कार्यालय की बहियों में श्री, सर्वश्री/मैसर्स..... (कस्टम ब्रोकर लाइसेंस सं. का है) के कस्टम ब्रोकर अथवा उसके प्राधिकृत कर्मचारी(यों) की सहायता के लिए कर्मचारी के रूप में पंजीकृत किया गया है ।

कर्मचारियों के नमूना हस्ताक्षर.....

कस्टम ब्रोकर का नाम.....

कस्टम स्टेशन.....

दिनांक..... 20

सीमा शुल्क उपायुक्त/सहायक आयुक्त के हस्ताक्षर
(मुहर सहित)

(कर्मचारी फोटो कस्टम ब्रोकर द्वारा दी जानी है)

[फा. सं. 502/07/2013-सीमा शुल्क-6]

एस. सी. गंगर, अवसर सचिव

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 21st June, 2013

No. 65/2013-Customs (N.T.)

G.S.R. 395(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 146 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the Customs House Agents Licensing Regulations 2004, except as respect things done or omitted to be done before such supersession, the Central Board of Excise and Customs hereby makes the following regulations, namely :

Short title and commencement.— (1) These regulations may be called the Customs Brokers Licensing Regulations, 2013.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

Definitions. — In these regulations, unless the context otherwise requires, —

(a) "Act" means the Customs Act, 1962 (52 of 1962);

(b) "company" means a company as defined in the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

(c) "Customs Broker " means a person licensed under these regulations to act as agent for the transaction of any business relating to the entry or departure of conveyances or the import or export of goods at any Customs Station;

(d) "firm", "firm name", "partner" and "partnership" shall have the same meanings respectively assigned to them in the Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932), but the expression "partner" shall also include any person who, being a minor, has been admitted to the benefits of partnership;

(e) "Form" means form appended to these regulations;

(f) 'Schedule' means the schedule annexed to these regulations;

(g) "section" means a section of the Act; and

(h) the words and expressions used herein and not defined in these regulations but defined in the Act shall have the same meanings respectively assigned to them in the said Act.

Customs Brokers to be licensed. — No person shall carry on business as a Customs Broker relating to the entry or departure of a conveyance or the import or export of goods at any Customs Station unless such person holds a licence granted under these regulations:

Provided that no licence under these regulations shall be required by —

- (a) an importer or exporter transacting any business at a Customs Station solely on his own account;
- (b) any employee of any person or a firm transacting business generally on behalf of such person or firm, and holding an identity card or a temporary pass issued by the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be; and

2780 5613-7

- (c) an agent employed for one or more vessels or aircrafts in order solely to enter or clear such vessels or aircrafts for work incidental to his employment as such agent.

4. Invitation of application-

- (1) The Directorate General of Inspection of Customs and Central Excise (DGICCE) shall in the month of April of every year invite applications for conducting examination and subsequent grant of licence to act as Customs Broker in Form A by publication in two leading national daily newspapers in English and Hindi.
- (2) The application for a licence to act as a Customs Broker in a Customs Station in Form A shall be made to the Commissioner of Customs having jurisdiction over the area where the applicant intends to carry on his business.

5. Conditions to be fulfilled by the applicants.- The applicant for a licence to act as a Customs Broker in a Customs Station, shall prove to the satisfaction of the Commissioner of Customs, that :-

- (a) he is a citizen of India;
- (b) he is a person of sound mind;
- (c) he is not adjudicated as insolvent;
- (d) he has neither been convicted by a competent court for an offence nor any criminal proceeding is pending against him in any court of law; and
- (e) he has not been penalised for any offence under the Act, the Central Excise Act, 1944 and the Finance Act, 1994.
- (f) an individual applicant or in case the applicant is a firm or company its partner or director or an authorised employee who may handle the Customs work shall:
 - (i) be a graduate from a recognised University, and
 - (ii) possess a professional degree such as Masters or equivalent degree in Accounting, Finance or Management, CA/MBA/LLB or Diploma in Customs Clearance work from any Institutes or University recognised by the Government or is having at least two years experience in transacting Customs Broker work as G-Card holder;
- (g) he is a retired Group A officer from the Indian Customs and Central Excise Services having a minimum of five years experience in Group 'A' service;
- (h) the applicant has financial viability as evidenced by a certificate issued by a Scheduled Bank or such other proof acceptable to the Commissioner of Customs in terms of possession of assets of value of not less than five lakhs rupees:

Provided that for the purpose of his satisfaction, the Commissioner of Customs may make enquiries as may be deemed fit.

6. Examination of the applicant.-

- (1) An applicant, who satisfies the requirements of regulation 5, shall be required to appear for a written as well as oral examination conducted by the DGICCE:

Provided that an applicant who has already passed the examination referred to in regulation 9 of the Custom House Agents Licensing Regulation, 1984 and regulation 8 of the Custom House Agents Licensing Regulation, 2004 shall not be required to appear for any further examination.

- (2) The written examination shall be conducted on specified dates in month of January of each year for which intimation shall be sent individually to applicants in advance before the date of

examination and the result of the said examination shall be declared by end May each year.

- (3) The applicant who is declared successful in the written examination shall be called for an oral examination on specified dates in month of June of each year, the result of which shall be declared in the month of July of each year.
- (4) The applicant shall be required to clear written examination as well as oral examination.
- (5) An applicant who fails to clear the oral examination within two years from date of declaration of result of the related written examination, shall be treated as having failed in the examination.
- (6) An applicant shall be allowed a maximum period of seven years from the date of original application within which he shall pass both written and oral examinations and no further extension shall be granted.
- (7) The examination may include questions on the following :
 - (a) preparation of various kinds of bills of entry, bills of export, shipping bills, and other clearance documents;
 - (b) arrival entry and clearance of vessels;
 - (c) tariff classification and rates of duty;
 - (d) determination of value of imported and export goods;
 - (e) conversion of currency;
 - (f) nature and description of documents to be filed with various kinds of bills of entry, shipping bills and other clearance documents;
 - (g) procedure for assessment and payment of duty including refund of duty paid;
 - (h) examination of goods at Customs stations;
 - (i) prohibitions on import and export;
 - (j) bonding procedure and clearance from bond;
 - (k) re-importation and conditions for free re- entry;
 - (l) drawback and export promotion schemes including Special Economic Zone scheme;
 - (m) offences under the Act;
 - (n) provisions of the allied Acts including the Indian Explosives Act, 1884 (4 of 1884), Destructive Insects and Pests Act 1914 (2 of 1914), Dangerous Drugs Act, 1930 (2 of 1930), Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), Copy Right Act, 1957 (14 of 1957), Trade and Merchandise Marks Act 1958 (43 of 1958), Arms Act 1959 (54 of 1959), Patents Act, 1970 (39 of 1970), Narcotics Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 (61 of 1985), Foreign Trade (Development and Regulations) Act, 1992 (22 of 1992), Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999), Design Act, 2000 (16 of 2000) and Food Safety and Standard Act, 2006 (No. 34 of 2006) in so far as they are relevant to clearance of goods through customs;
 - (o) provisions of Prevention of Corruption Act, 1988 (49 of 1988);
 - (p) procedure for appeal and revision applications under the Act; and
 - (q) on line filing of electronic bills of entry and shipping bills vide the Indian Customs and Central Excise Electronic Commerce or Electronic data interchange gateway (ICEGATE) and Indian Customs Electronic data Interchange System (ICES).

- (7) The Commissioner of Customs shall satisfy himself that the individual applicant or in cases where applicant is a firm or company its partner or Director or authorised employees who may be engaged for handling the customs work shall possess satisfactory knowledge of English and the local language of the Customs Station:

Provided that in case of a person deputed to work extensively in the docks, knowledge of English shall not be compulsory. Knowledge of Hindi shall be considered as desirable qualification.

7 Grant of licence. –

- (1) The Commissioner of Customs shall, on payment of fee of five thousand rupees grant licence in Form B to an applicant who has passed the oral examination within two months of the date of declaration of the said results.
- (2) The applicant who has been granted licence under sub- regulation (1) shall be eligible to work as Customs Broker in all Customs Stations subject to intimation in Form C to the Commissioner of Customs of the Customs Station where he intends to transact business. A copy of this intimation shall also be sent to the Commissioner of Customs who has issued the licence in Form B.

8. Execution of bond and furnishing of security.-

- (1) Before granting the licence under regulation 7, the Commissioner of Customs shall require the successful applicant to enter into the bond in Form D and where specified a surety bond in Form E for due observance of these regulations and furnish a bank guarantee, a postal security or National Saving Certificate in the name of Commissioner of Customs for an amount of five lakhs rupees for carrying out the business as Customs Broker.
- (2) In cases where a postal security or National Saving Certificate is furnished, the benefit of interest accruing thereon shall accrue to the Customs Broker concerned.

9. Period of validity of a licence.—

- (1) A licence granted under regulation 7 shall be valid for a period of ten years from the date of issue and shall be renewed from time to time in accordance with the procedure specified in sub-regulation (2):

Provided that a licence granted to a Customs Broker, authorised under the Authorised Economic Operator Programme referred to in Board's Circular No. 28/2012-Customs dated 16.11.2012, shall not require renewal till such time the said authorisation is valid.

- (2) The Commissioner of Customs may, on an application made by the licensee before the expiry of the validity of the licence under sub-regulation (1), renew the licence for a further period of ten years from the date of expiration, if the performance of the licensee is found to be satisfactory with reference, *inter alia*, to the obligations specified in this regulation including the absence of instances of any complaints of misconduct.
- (3) The fee for renewal of a licence shall be five thousand rupees.

10. Licence not transferable. — Every licence granted or renewed under these regulations shall be deemed to have been granted or renewed in favour of the licensee, and no licence shall be sold or otherwise transferred.

11. Obligations of Customs Broker. – A Customs Broker shall -

- (a) obtain an authorisation from each of the companies, firms or individuals by whom he is for the time being employed as a Customs Broker and produce such authorisation whenever required by the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be;

- (b) transact business in the Customs Station either personally or through an employee duly approved by the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be;
 - (c) not represent a client in any matter to which the Customs Broker, as a former employee of the Central Board of Excise and Customs gave personal consideration, or as to the facts of which he gained knowledge, while in Government service;
 - (d) advise his client to comply with the provisions of the Act and in case of non-compliance, shall bring the matter to the notice of the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be;
 - (e) exercise due diligence to ascertain the correctness of any information which he imparts to a client with reference to any work related to clearance of cargo or baggage;
 - (f) not withhold information contained in any order, instruction or public notice relating to clearance of cargo or baggage issued by the Commissioner of Customs, from a client who is entitled to such information;
 - (g) promptly pay over to the Government, when due, sums received for payment of any duty, tax or other debt or obligations owing to the Government and promptly account to his client for funds received for him from the Government or received from him in excess of Governmental or other charges payable in respect of the clearance of cargo or baggage on behalf of the client;
 - (h) not procure or attempt to procure directly or indirectly, information from the Government records or other Government sources of any kind to which access is not granted by the proper officer;
 - (i) not attempt to influence the conduct of any official of the Customs Station in any matter pending before such official or his subordinates by the use of threat, false accusation, duress or the offer of any special inducement or promise of advantage or by the bestowing of any gift or favour or other thing of value;
 - (j) not refuse access to, conceal, remove or destroy the whole or any part of any book, paper or other record, relating to his transactions as a Customs Broker which is sought or may be sought by the Commissioner of Customs;
 - (k) maintain upto date records such as bill of entry, shipping bill, transshipment application, etc. and all correspondence and other papers relating to his business as Customs Broker and also accounts including financial transactions in an orderly and itemised manner as may be specified by the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be; and keep them current;
 - (l) immediately report the loss of licence granted to him to the Commissioner of Customs;
 - (m) discharge his duties as a Customs Broker with utmost speed and efficiency and without any delay;
 - (n) verify antecedent, correctness of Importer Exporter Code (IEC) number, identity of his client and functioning of his client at the declared address by using reliable, independent, authentic documents, data or information; and
 - (o) inform any change of postal address, telephone number, e-mail etc. to the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be within one month of such change.
12. **Change in directors of company, etc.** — In case a company holding a licence under regulation 7 undergoes any change in the directors, or managing director, such change shall forthwith be communicated by such licensee to the Commissioner of Customs within one month of such change.
13. **Change in constitution of any firm or a company.** —

278046/13-8

- (1) In the case of any firm or a company, holding a licence under these regulations, any change in the constitution thereof shall be reported by such firm or company, as the case may be, to the Commissioner of Customs as early as possible, and any such firm or a company indicating such change shall make a fresh application to the said Commissioner of Customs within a period of sixty days from the date of such change for the grant of licence under regulation 7, and the Commissioner of Customs may, if there is nothing adverse against such firm or company, as the case may be, grant a fresh licence :

Provided that if the existing firm or company moves an application for such changes, then such firm or company may be allowed to carry on the business of Customs Broker with the approval of the Commissioner of Customs till such time as a decision is taken on the fresh application of such firm or company.

- (2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), in case of any firm or a company where a licence has ceased to be in force because of the death or retirement of any partner or director or an authorised employee has passed the examination referred to in regulation 6, the firm or the company may apply for replacement of the name of the demised person by the name of another partner, director or authorised employee who has passed the examination referred to in regulation 6:

Provided that if there is no such person in the firm or company, then such firm or company, as the case may be, may authorise any other partner, director or authorised employee who is a 'G' card holder, referred to in sub-regulation (7) of regulation 17, to pass the examination referred to in regulation 6 within a period of two years from the date of the demise or retirement of such person, and the firm or company may be permitted to carry on the business of a Customs Broker with the approval of the Commissioner of Customs till such time such partner, director or authorised employee passes the said examination.

14. Change in the constitution of a concern. —

- (1) Where a licence granted or renewed under these regulations in favour of a person, not being a firm or a company, changes the constitution of his concern to a firm or a company, such new firm or new company may, pending the grant of a licence in accordance with these regulations, be permitted to act as Customs Broker through an employee duly qualified as per regulation 6, with the approval of the Commissioner of Customs.
- (2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), where a licence granted or renewed under these regulations in favour of a person who has ceased to be in force because of the death of that person, his legal heir, who is a major and a 'H' card holder, referred to in sub-regulation (7) of regulation 17, may be permitted to work as a Customs Broker with the approval of the Commissioner of Customs, and such legal heir shall be required to pass the examination referred to in regulation 6 within a period of two years from the date of demise of the original licensee.

15. Engagement of persons qualified in the examination referred to in regulation 6, etc. —

- (1) A person who has qualified in the examination referred to in regulation 6 may engage himself in the work relating to the clearance of goods through customs on behalf of a firm or a company licenced under regulation 7, provided that at any given time he shall not engage himself on behalf of more than one such firm or company.
- (2) Any change in the persons qualified in the examination referred to in regulation 6 and actually engaged in the work in the Customs Station on behalf of a licensee firm or company shall be communicated forthwith by the firm or the company, as the case may be, to the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, and no new person other than 'F', 'G' or 'H' card holders, referred to in sub-regulation (7) of regulation 17, shall be allowed to work in the Customs Station as a duly authorised employee on behalf of that firm or company.

16. Inspection of accounts. — All records and accounts that are required to be maintained under these

regulations shall be preserved for at least five years and shall be made available at any time for inspection of officers authorised for this purpose.

17. Employment of persons. —

- (1) A Customs Broker may, having regard to the volume of business transacted by him, employ any number of persons to assist him after verifying their antecedent and identity at the declared address by using reliable, independent, authentic documents, data or information :

Provided that the minimum educational qualification of such persons so employed shall be 10+2, or equivalent.

- (2) Appointment of a person referred to in sub-regulation (1) shall be made only after obtaining the approval of the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, who shall in granting approval, take into consideration the antecedents and any other information pertaining to the character of such person.
- (3) The person referred to in sub-regulation (1) shall, within four attempts from the date of his appointment, pass an examination conducted by the said Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, and the examination shall be such as to ascertain the adequacy of knowledge of such person regarding the provisions of the Act subject to which goods and baggage are cleared through Customs.
- (4) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (3), a person who is employed under a Customs Broker and who has passed the examination referred to sub-regulation (3) may, on his appointment under any other Customs Broker, with the approval of the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, be exempted from passing of such examination.
- (5) Where the Customs Broker has authorised any person employed by him to sign documents relating to his business on his behalf, he shall file with the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, a written authority in this behalf and give prompt notice in writing if such authorisation is modified or withdrawn.
- (6) A Customs Broker shall authorise only such employee who has passed the examination referred to in regulation 6 of these regulations to sign declaration on the bills of entry, shipping bills and annexure thereof.
- (7) The Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, shall issue a photo-identity card to every person employed by a Customs Broker, —
- (i) in Form F in case he has passed the examination referred to in regulation 6;
 - (ii) in Form G, in case he has passed the examination referred to in sub-regulation (3);
 - (iii) in Form H, in case he has not passed the examination referred to in sub-regulation (3);
- and every such person shall, at all times when he transacts the work at the Customs Station, carry photo identity card with him and produce it for inspection on demand by any officer of the Customs Station.
- (8) The photo identity card in Form H shall not be withdrawn from an employee of a Customs Broker even if he fails to pass the examination referred to in sub-regulation (3).
- (9) The Customs Broker shall exercise such supervision as may be necessary to ensure the proper conduct of his employees in the transaction of business and he shall be held responsible for all acts or omissions of his employees during their employment.

18. Revocation of licence or imposition of penalty. — The Commissioner of Customs may, subject to the provisions of regulation 20, revoke the licence of a Customs Broker and order for forfeiture of part or whole of security, or impose penalty not exceeding fifty thousand rupees on a Customs Broker on any of the following grounds, namely :—

- (a) failure of to comply with any of the conditions of the bond executed by him under regulation 8;
- (b) failure to comply with any of the provisions of these regulations, within his jurisdiction or anywhere else;
- (c) committing any misconduct, whether within his jurisdiction or anywhere else which in the opinion of the Commissioner renders him unfit to transact any business in the Customs Station;
- (d) adjudicated as an insolvent;
- (e) of unsound mind; and
- (f) has been convicted by a competent court for an offence involving moral turpitude :

Provided that the imposition of penalty or any action taken under these regulations shall be without prejudice to the action that may be taken against the Customs Broker or his employee under the provisions of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) or any other law for the time being in force.

19. Suspension of licence. —

- (1) Notwithstanding anything contained in regulation 18, the Commissioner of Customs may, in appropriate cases where immediate action is necessary, suspend the licence of a Customs Broker where an enquiry against such agent is pending or contemplated.
- (2) Where a licence is suspended under sub-regulation (1), the Commissioner of Customs shall, within fifteen days from the date of such suspension, give an opportunity of hearing to the Customs Broker whose licence is suspended and may pass such order as he deems fit either revoking the suspension or continuing it, as the case may be, within fifteen days from the date of hearing granted to the Customs Broker :

Provided that in case the Commissioner of Customs passes an order for continuing the suspension, the further procedure thereafter shall be as provided in regulation 20.

20. Procedure for revoking licence or imposing penalty. —

- (1) The Commissioner of Customs shall issue a notice in writing to the Customs Broker within a period of ninety days from the date of receipt of an offence report, stating the grounds on which it is proposed to revoke the licence or impose penalty requiring the said Customs Broker to submit within thirty days to the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs nominated by him, a written statement of defense and also to specify in the said statement whether the Customs Broker desires to be heard in person by the said Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs.
- (2) The Commissioner of Customs may, on receipt of the written statement from the Customs Broker, or where no such statement has been received within the time-limit specified in the notice referred to in sub-regulation (1), direct the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, to inquire into the grounds which are not admitted by the Customs Broker.
- (3) The Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, shall, in the course of inquiry, consider such documentary evidence and take such oral evidence as may be relevant or material to the inquiry in regard to the grounds forming the basis of the proceedings, and he may also put any question to any person tendering evidence for or against the Customs Broker, for the purpose of ascertaining the correct position.

- (4) The Customs Broker shall be entitled to cross-examine the persons examined in support of the grounds forming the basis of the proceedings, and where the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs declines to examine any person on the grounds that his evidence is not relevant or material, he shall record his reasons in writing for so doing.
- (5) At the conclusion of the inquiry, the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, shall prepare a report of the inquiry and after recording his findings thereon submit the report within a period of ninety days from the date of issue of a notice under sub-regulation (1).
- (6) The Commissioner of Customs shall furnish to the Customs Broker a copy of the report of the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, and shall require the Customs Broker to submit, within the specified period not being less than thirty days, any representation that he may wish to make against the said report.
- (7) The Commissioner of Customs shall, after considering the report of the inquiry and the representation thereon, if any, made by the Customs Broker, pass such orders as he deems fit either revoking the suspension of the license or revoking the licence of the Customs Broker or imposing penalty not exceeding the amount mentioned in regulation 22 within ninety days from the date of submission of the report by the Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs, under sub-regulation (5) :

Provided that no order for revoking the license shall be passed unless an opportunity is given to the Customs Broker to be heard in person by the Commissioner of Customs.

21. **Appeal by Customs Broker.-** A Customs Broker, who is aggrieved by any order passed by the Commissioner of Customs under these regulations, may prefer an appeal under section 129A of the Act to the Customs, Central Excise and Service Tax Appellate Tribunal established under sub-section (1) of section 129 of the Act.
22. **Penalty.-** A Customs Broker, who contravenes any provisions of these regulations or who fails to comply with any provision of these regulations shall be liable to a penalty which may extend to fifty thousand rupees.
23. **Prohibition. —** Notwithstanding anything contained in these regulations, the Commissioner of Customs may prohibit any Customs Broker from working in one or more sections of the Customs Station, if he is satisfied that such Customs Broker has not fulfilled his obligations as laid down under regulation 11 in relation to work in that section or sections.
24. **Membership of associations:-** Each Customs Broker shall enroll himself as a member of the Customs Brokers' Association, if there is one registered in the Customs Station and recognised by the Commissioner of Customs.

2780 5/13-7

Form – A
[see sub-regulation (1) of regulation 4]

Application Form for Grant of Customs Broker's Licence under section 146 of the Customs Act, 1962

1.	Name of the applicant :-
2.	Full address of the applicant :-
3.	Names and address of each of the partners of the firm or the directors of the company, as the case may be, in case the applicant is a firm or a company :-
4.	Name(s) of its partner/partners or director/directors who will actually be engaged in the work as Customs Broker, in case the applicant is a firm or a company:-
5.	Educational qualification of each of the persons, who may be engaged as Customs Broker:-
Declaration:	
(a)	I have working knowledge of English/ local language (.....) /Hindi.
(b)	I have not earlier applied for a licence to act as Customs Broker and no such application was rejected/accepted.
(c)	The firm or company by whom the undersigned is employed have earlier held a Customs House Agent or Customs Broker's Licence under Customs House Licensing Regulation, 1984 or Customs House Licensing Regulation, 2004 or these regulations and it was cancelled or suspended/not cancelled or suspended.
(d)	The undersigned / the person proposed to be employed by me have been/have not been penalised, convicted or prosecuted under any of the provisions of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Excise Act 1944 (1 of 1994), and the Finance Act, 1944.

List of documents furnished in accordance with regulation 5 Customs Brokers Licensing Regulation, 2013:

S. No.	Educational	Financial
1.		
2.		
3.		
4.		

I/We hereby affirm the I/we have read the Customs Brokers Licensing Regulations, 2013 and agree to abide by them.

Date:

Signature of applicant

FORM – B
[see regulation 7]
Licence for Customs Broker

Licence No.....
Valid upto.....

M/s./Sarvashri/Shri.....address.....
..... is/are hereby authorised to transact business as
Customs Broker all over India subject to the conditions laid down in this licence. Further, in the case of
firm or a company, the Customs Broker's work shall be transacted through one of the following
persons:-

Name of person(s)	Specimen Signature(s)
1. _____	_____
2. _____	_____
3. _____	_____
4. _____	_____
5. _____	_____

Customs Station of issue:

Signature of the Commissioner of Customs
(with seal)

Date of issue:

Conditions of the License

This license is issued subject to the following conditions:

(A) The Licensee shall, -

1. not sell or transfer licence to any other person.
2. obtain an authorisation from each of the companies, firms or individuals by whom he is for the time being employed as Customs Broker and produce such authorisation whenever required by the Deputy Commissioner or Assistant Commissioner of Customs.
3. transact business in the Customs Station either personally or through an employee duly approved by the Deputy Commissioner or Assistant Commissioner of Customs, designated by the Commissioner of Customs.
4. in the event of the licence being lost, report the same immediately to the Commissioner of Customs.
5. ensure that he discharges his duties as Customs Broker with utmost speed and efficiency and

without any delay.

6. comply with the obligations specified in regulation 11 of the Customs Brokers Licensing Regulations, 2013.
- (B). This licence shall be valid for a period of ten years from the date of issue and shall be renewed from time to time in accordance with the procedure provided in sub-regulation (2) of regulation 9 of the Customs Brokers Licensing Regulations, 2013.

FORM – C

[see sub-regulation (2) of regulation 7]

Intimation by Customs Broker to work at another Customs Station

1.	Name of the Customs Broker:-
2.	Full address of the Customs Broker:-
3.	Customs Broker Licence No. and Custom House of issue:-
4.	Name and address of each of the partners of the firm or the directors of the company, as the case may be, in case the applicant is a firm or a company :-
5.	Name(s) of its partner/partners or director/directors who will actually be engaged in the work as Customs Brokers, in case the applicant is a firm or a company:-
6.	Educational qualifications of each of the persons, who will actually be engaged in the work as Customs Broker:-

I/We hereby affirm the I/we have read the Customs Brokers Licensing Regulations, 2013 and agree to abide by them.

Signature of applicant(s)

Date:.....

FORM - D
[see regulation 8]

BOND No. of 20....

Know all men by these present that we are held and firmly bound to the President of India in the sum of Rs. for payment whereof we hereby bind ourselves, and each us bind himself and each of our heirs, executors and administrators firmly by these presents dated this day of in the year two thousand.....

Whereas the said..... has been authorised to act as a Customs Broker under section 146 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and the said has agreed to enter into this bond as required by the Customs Brokers Licensing Regulations, 2013 (hereafter referred to as the said regulations).

And whereas the said has deposited the sum of Rs. 5,00,000/- (Rupees Five Lakhs) only with the President of India as security for his faithful behavior and that of his employees as regard the said regulations.

Now the condition of the above written bond is such that if the said..... and his employees do at all times, whilst holding, such licence as aforesaid, behave themselves in a faithful manner as regards the said regulations and if the said..... and their executors or administrators do at all times make good to the President of India all and every sums of money which being due to the Government shall be reason of the misfeasance or negligence of the said..... or of his employees have not been paid to the President of India then the above written bond shall be void; otherwise the same shall be and remain in full force and virtue and it is hereby agreed and declared that the President of India may apply the said sum of Rs. 5,00,000/- (Rupees Five Lakh) only deposited as aforesaid in making good to the President of India all and every sums due to the Government by reason of the misfeasance or negligence of the said..... or his employees as aforesaid.

And it is hereby agreed that the said sum of Rs. 5,00,000/- (Rupees Five Lakh) only shall remain with the President of India for twelve calendar months after the date upon which the said..... shall cease to act as Customs Broker as security for the payment of any sums due to the Government by any reason of any misfeasance or negligence of the said..... or his employees which may not be discovered until after the said date and that this bond shall be and remain in full force and virtue until the expiration of the said term of twelve months. It is also agreed and declared that the President of India may apply the above sum of Rs. 5,00,000/- (Rupees Five Lakh) only in making good wholly or in part any short collection of duty or other charges in respect of any transaction made by the said..... on behalf of importers or exporters in the event of such sums remaining unpaid, even after issue of demands under section 28 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

Signed, sealed and delivered by the above named on this day, the of 20... in the presence of witnesses.

1.
2.

Accepted for and on behalf of the President of India

Signature of the Commissioner of Customs
(with seal)

Date:

2780 56/13-10

FORM – E
[see regulation 8]

SURETY BOND No..... of 20....

Know all men by these presents that we
 (A)..... and (B)..... are held and firmly
 bound to the President of India in the sum of Rs. 5,00,000/- (Rupees Five Lakh) only for payment
 whereof we hereby bind ourselves and each of us binds himself and each of our heirs, executors and
 administrators firmly by these presents dated this day..... of
 in the year two thousand and.....

Whereas the said..... (A)..... has been authorised to act as a
 Customs Broker under section 146 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and the said
 (B)..... has agreed to enter into this bond as required by rules
 made under the said section:

Now the condition of the above written bond is such that if the said (A)
 both at all times whilst holding such authorisation as aforesaid behave himself in a
 faithful and incorrupt manner as regards the Customs Brokers Licensing Regulations, 2013 and the
 officers, and if the said..... (A) and (B)..... their
 executors, or administrators some or one of them do, and shall at all time make good to the President
 of India all and every sums of money which being due to the Government shall by reason of the
 misfeasance or negligence of the said (A)..... have not
 been paid to the President of India then the above written bond shall be void; otherwise the same shall
 remain in full force and virtue.

Signed, sealed and delivered by the above named in the presence of witnesses.

1.....

2.....

Executed before me this of 20...

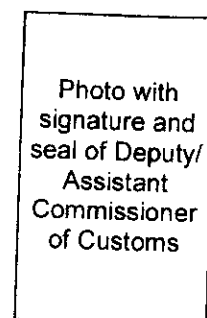
Signature of the Commissioner of Customs
 (with seal)

FORM - F

[see regulations 6 and clause (i) of sub-regulation (6) of regulation 17]

Customs Broker Licence No.....

Identity Card



M/s./Sarvashri/Shri:

Designation (Proprietor, Partner, Director, Employee):

Issued at:

Valid upto:

Name of the Customs Broker:

Type of Customs Broker (Proprietorship/Firm/Pvt./Public Ltd./Others)

Specimen signature of the Customs Broker:

I..... have passed the examination conducted under regulation 6 of the Customs Brokers Licensing Regulations, 2013.

Signature of the Deputy/Assistant Commissioner of Customs
(With seal)

(Photo to be supplied by the Customs Broker)

2080 2013-11

FORM – G
[see clause (iii) of sub-regulation (6) of regulation 17]

Valid upto.....

Identity Card

Photo with
signature and
seal of Deputy/
Assistant
Commissioner
of Customs

Shri..... of..... having been registered in the books of this office as an authorised employee of Shri/Sarvashri..... of..... having been authorised by him/them to transact business at the..... Custom House on his/their behalf is hereby permitted to do so for a period of years with effect from..... or until the cancellation of the licence issued to his principal, whichever is earlier.

He has passed the examination conducted under sub-regulation (6) of regulation 17 of the Customs Brokers Licensing Regulations 2013.

Specimen Signature of employees.....

Name of the Customs Broker

Customs Station.....

Dated the..... 20....

Signature of the Deputy Commissioner/Assistant Commissioner of Customs
(With seal)

(Photo to be supplied by the Customs Broker)

FORM - H
[see clause (iii) of sub-regulation (6) of regulation 17]

Valid upto.....

IDENTITY-CUM-AUTHORITY CARD

Photo with
signature and seal
of Deputy/
Assistant
Commissioner of
Customs

Shri of having been registered in the books of this
office as employee of Shri/ Sarvashri /M/s..... (Customs Broker Licence
No.....), for assisting the Customs Broker or his authorised employee(s).

Specimen Signature of employees.....

Name of the Customs Broker

Customs Station.....

Dated the.....20....

Signature of the Deputy Commissioner/Assistant Commissioner of Customs
(With seal)

(Photo to be supplied by the Customs Broker)

[F. No. 502/07/2013-Cus. VI]

S.C. GANGER, Under Secy.